जनपद पीलीभीत की [redacted] क्षण आख्या

भ्रमण टीम –	दिनांक –21 एवं 22 सितम्बर 2016
डॉ0 अनिल कुमार मिश्र – महाप्रबन्धक, मुख्यालय श्री प्रभाकर तिवारी – कन्सलटेन्ट, मातृ स्वास्थ्य श्री संजय कुमार गोयल – प्रोग्राम को–ऑर्डिनेटर	**स्थान** – न्यूरिया सी0एच0सी0, रमनगरा, उपकेन्द्र पुरूष एवं महिला जिला अस्पताल, पीलीभीत

निरीक्षण के दौरान पाये गये अवलोकन बिन्दु निम्नलिखित है –

न्यूरिया सी0एच0सी0

- अधीक्षक डॉ0 प्रशान्त कुमार 2 दिन से अवकाश पर बताये गये परन्तु उनके मात्र 21 सितम्बर के अवकाश का आवेदन मिला। जिसमें मुख्य चिकित्साधिकारी की मौखिक स्वीकृत की सूचना प्राप्त हुयी।
- डॉ0 धनेश सिंह माह अप्रैल से अनुपस्थित हैं।
- सुश्री शकुन्तला पाल बी0पी0एम0 सुबह 11:30 तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित थीं।
- मरीजों के पंजीकरण के बाद कोई भी जानकारी नहीं दी जाती है। वह किस कक्ष में इलाज के लिये जायें जिससे वे इधर उधर भटक रहे थे।
- हड़ताल की वजह से दवा वितरण का कार्य बन्द था।
- मरीजों को बाहर की जाँच और दवा बाहर खरीदने के लिये कहा जा रहा था।
- एक गर्भवती महिला को अल्ट्रासाउण्ड के लिये जिला अस्पताल भेजा जा रहा था परन्तु उसे कोई जानकारी नहीं दी जा रही कि यह सुविधा जिला अस्पताल में निःशुल्क दी जाती है।
- लेबर रूम में सेवन (सात) ट्रे नही पाये गये। इस सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारी से बात करने दौरान पता चला सेवन ट्रे अलमारी में रखी हुयीं हैं और देखने पर पाया गया कि कई दिनों से स्टरलाइज्ड नहीं हैं एवं पर्याप्त दवाइयां भी नहीं है।
- ऑक्सीटॉक्सिन खुले में पड़ा था जिसे निर्धारित मापदण्ड के अनुसार 2 से 8 डिग्री (फ्रीज में) तापमान में नहीं रखा गया था।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत अत्यधिक भुगतान लम्बित पाये गये।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत एक पन्नेवाला पुराना फॉर्म भराया जा रहा है जिसमें निर्धारित प्रारूप के अनुसार दो कॉपी में लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र संलग्न नही है। अतः छुट्टी के समय भुगतान से सम्बन्धीत लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र किसी भी लाभार्थी को नही दिया जा रहा है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत डाइट रजिस्टर जॉच के लिए उपलब्ध नही कराया गया।
- पर्याप्त प्रोटोकॉल आई०ई०सी० वार्ड नही लगे थे। जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत निःशुल्क प्रदान की जानी वाली सेवाओं का प्रचार प्रसार भी नहीं किया गया था।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जाता है।
- बायो वेस्ट डिस्पोजल का प्रबन्धन सही प्रकार से नहीं हो रहा है। अलग रंगों की तीनों डस्टबिन नही पाये गये।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चारों तरफ बहुत ज्यादा गंदगी थी ।

अनुश्रवण दल द्वारा दी गई सलाह

- जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत निःशुल्क प्रदान की जानी वाली सेवाओं ब्यापक प्रचार –प्रसार किये जाने का सुझाव दिया गया।
- उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार सूची तैयार करने का सुझाव दिया गया।
- आक्सीटोसीन 2 से 8 डिग्री तापमान में फ्रीज में रखने का सुझाव दिया गया।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे रोकने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव कक्ष की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये एवं बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन सही प्रकार से किया जाये।

आर0बी0एस0के0 कैम्प – मेंथी सैदुल्लागंज

टीम – डॉ0 पूजा, सुषमा श्रीवास्तव स्टाफ नर्स, धमेन्द्र आप्टोमेटिस

स्थान प्राथमिक विद्यालय मेंथी सैदुल्लागंज ब्लाक मरौरी 90 छात्र इनरोल्ड थे जिसमें 56 छात्र 21.09.2016 को उपस्थित थे।

- लगभग 1 घण्टे में 54 छात्रों की जांच कर ली गयी थी। जो कि दर्शाता है कि निर्धारित मानक के अनुसार छात्रों की जांच नहीं हुयी है।
- आंखों की जांच के लिये पोस्टर मुड़ी तुड़ी अवस्था में पायी गयी जिससे सही जांच सम्भव नहीं था।
- रेफर कार्ड न होने की वजह से किसी भी छात्र को रेफर नहीं किया जा रहा था।
- भ्रमण टीम के साथ जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एवं जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक भी उपस्थित रहे।

अनुश्रवण दल द्वारा दी गई सलाह

एक कैम्प में भले ही 15–20 छात्रों की जांच की जाये परन्तु उन्की जांच सघन रूप से की जाये। आंखों की जांच के लिये पोस्टर को कार्ड बोर्ड में चिपकाया जाय या किसी अन्य विधि से दिखाया जाय ताकी आंखों की सही जॉच हो सके। बच्चों की जॉच एवं सलाह को अभिभावक गम्भीरता से लें इस के लिए एस० एम०सी० (विद्यालय प्रबन्ध समिति) के चयनित सदस्यों को उत्प्रेरक के रूप में इस्तेमाल किया जाय।

वी0एच0एन0डी0 सत्र–

टीम मंजू जैन ए0एन0एम0, राकेशवती आशा एवं बीरबाला आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री

ड्यू लिस्ट के अनुसार 5 गर्भवती महिला एवं 16 बच्चों का जांच एवं टीकाकरण होना था।

- स्थल का चुनाव उचित नहीं था लाभार्थियों के ए0एन0सी0 परीक्षण हेतु कोई भी व्यवस्था सत्र स्थल पर नही थी। सत्र का आयोजन आंगनबाडी के घर पर किया जा रहा था।
- बी0पी0 मशीन काम नहीं कर रही थी।
- आर0सी0एच0 रजिस्टर ठीक से नहीं भरा जा रहा था। एम0सी0टी0एस0 नम्बर प्रथम ए0एन0सी0 के समय अंकित नहीं किया जा रहा है। बैंक खाता एवं अन्य सूचनाएं भी नहीं अंकित हो रही थी।

- पार्टोग्राफ का प्रयोग नही किया जा रहा है।
- एम0सी0टी0एस0 पोर्टल से वर्कप्लान नियमित रुप से जनरेट नहीं किया जा रहा है।एम0सी0टी0एस0 नम्बर प्रथम ए0एन0सी0 के समय अंकित नहीं किया जा रहा है।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत एक पन्नेवाला पुराना फॉर्म भराया जा रहा है जिसमें निर्धारित प्रारूप के अनुसार दो कॉपी में लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र संलग्न नही है। अतः छुट्टी के समय भुगतान से सम्बन्धीत लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र किसी भी लाभार्थी को नही दिया जा रहा है।
- चिकित्सा अधीक्षिका महोदया द्वारा अवगत कराया गया कि स्टाफ एस0एन0सी0यू0 संचालित किये जाने हेतु स्टाफ का चयन नही किया गया है जिसके कारण एस0एन0सी0यू0 अक्रियाशील है।

जनपद की लेखा व्यवस्था

- जननी सुरक्षा योजना के संस्थागत ग्रामीण प्रसव के अन्तर्गत मार्च 2016 में रू 56,39,600 कमिटेड कराया गया है यदि इसे रू1400 प्रति लाभार्थि की दर से विभाजित करें तो लाभार्थियों की विषम संख्या 4028.29 आती है जो की संभव नही है। कमिटेड का विषम संख्या में आना ऐसी अंकगणितीय त्रुटि है जो भौतिक रिर्पोट के अनुसार सही वित्तीय आकलन न करने एवं गलत लेखा करने से आती है।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत मार्च 2016 में अवशेष सही दर्ज नही किया गया है। यदि वित्तीय रिपोर्ट के सापेक्ष में देखें तो लाभार्थियों की संख्या में अन्तर पाया गया।

मद	प्रपत्र 18 के अनुसार	वित्तीय रिर्पोट के अनुसार	अन्तर
संस्थागत ग्रामीण प्रसव	4160	4028.29	(–) 90
संस्थागत शहरी प्रसव		219	
घरेलू प्रसव		3	

नया होने के कारण जिला लेखा प्रबन्धक ऐसे 90 लाभार्थियों के विषय में कोई भी_स्पष्टीकरण देने में असमर्थ थे।

- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत कमिटेड के सापेक्ष में लम्बित भुगतानों बहुत ज्यादा है।

मद	कमिटेड	वित्तीय रिर्पोट के अनुसार भुगतान	लम्बित भुगतान
संस्थागत ग्रामीण प्रसव	रू0 56,39,600	रू0 31,90,600	रू0 24,49,000
संस्थागत शहरी प्रसव	रू0 2,19,000	रू0 65,000	रू0 1,54,000
घरेलू प्रसव	रू0 1,500	रू0 1,000	रू0 500
आशा प्रोत्साहन राशि	रू0 12,05,400	रू0 10,08,900	रू0 1,96,500
जे०एस०वाई० प्रशासनिक व्यय	रू0 19,087	रू0 8,780	रू0 10,307
कुल	**रू0 70,84,587**	**रू0 42,74,280**	**रू0 28,10,307**

- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत कमिटेड के सापेक्ष में लम्बित भुगतानों ज्यादा है।

मद	कमिटेड	वित्तीय रिर्पोट के अनुसार भुगतान	लम्बित भुगतान
निःशुल्क औषधि व कन्ज्यूमेबिल्स	रू0 8,66,395	रू0 7,95,270	रू0 71,125
निःशुल्क भोजन	रू0 1,40,330	रू0 76,340	रू0 63,990
कुल	**रू0 10,06,725**	**रू0 8,71,610**	**रू0 1,35,115**

चिकित्साधिकरी, पीलीभीत से की गयी वार्ता एव अनुश्रवण दल द्वारा दी गई सलाह

- वित्तीय रिर्पोट में हुऐ गलत लेखाकर्म के प्रभाव को टैली में भूल सुधार (Rectification of error) की लेखा (इन्ट्री पास) करके सुधारने की सलाह दी गयी।
- कुछ सर्वमान्य टेस्ट चेकिंग के सरल तरीके है। उनसे वित्तीय के लेखों एवं डाटा को जिला लेखा प्रबंधक द्वारा पूरी तरह से जांचने के बाद ही एस.पी.एम.यू. में भेजा जाये।
- लम्बित भुगतान के सन्दर्भ में जनपद का कहना है कि जनपद स्तर पर कई प्रकार की आन्तिरिक विभागीय समस्यायों के कारण काफी भुगतान लम्बित है। मुख्यचिकित्साधिकारी ने इन समस्याओं के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया है। लम्बित भुगतानों की स्थिती की जनपद स्तर पर सही सही जानकारी एकत्र करने के लिए संलग्न फॉर्मेट अपनाने की सलाह दी गयी ।

कम संख्या	लाभार्थि का नाम	लाभार्थि के पत्ति का नाम	प्रसव की तिथि	पंजीकरण संख्या	लम्बित भुगतान का कारण	भुगतान के लिए जनपद स्तर पर क्या फालोअप किया गया

- राज्य स्तर से समय–समय पर दिये गये दिशा–निर्देशो का सभी स्वास्थ्य इकाईयों को समय पर उपलब्ध कराया जाय।
- बैठकों में समस्त अधिकारियों को दिशा–निर्देशों एवं अवमुक्त की गयी धनराशी के नियमानुसार व्यय हेतु अवगत कराया जाय।
- एफ0आर0यू0 पर मानव संसाधन का रिएलोकेशन एवं ऑन काल टीम बनाकर क्रियाशील किये जाने हेतु सुझाव दिया गया।
- बायों मेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट हेतु एजेन्सी चयन की प्रक्रिया को जल्द प्रारम्भ कि जाय।
- साफ सफाई की व्यवस्था का नियमित निरीक्षण संयुक्त रूप से जिला महिला एवं पुरूष चिकित्सालयों के अधीक्षकों द्वारा किया जायें जिससे कि साफ सफाई की व्यवस्था सुचारू रुप से संचालित की जा सके।
- एम0सी0टी0एस0 पोर्टल पर गर्भवती महिला का प्रथम ए0एन0सी0 के समय पंजीकरण किया जायें ।
- समस्त इकाईयों पर मानकानुसार प्रचार प्रसार सामग्री तथा प्रसव कक्ष के प्रोटोकॉल पोस्टर सही स्थान पर प्रदर्शित किये जाये।
- रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया को जल्द प्रारम्भ कि जाय एवं कार्यरत स्टाफ की स्वास्थ्य केन्द्र में समय से उपस्थिति सुनिशचित कि जाय। साथ ही कार्यो नियमित निरिक्षण किया जाय।

S.N.C.U
S.N.C.U